

ASHA ARCHIVES 3619

परमेश्वर

आदि अंग न वादि

१ अंग न मा श्री चक्र म वाय ॥ ॥ यं वा नि वि वि वि वि सा ह ॥ न वा
नि वा य गु न म गु ल य च म च य य सि क न य ॥ य च क सा नि आ दि
यू का थ नि वि न ठा अ द अ यू जा या य म ह नि रु य आ दि वि य म ठ
न थि ल वि स र्ज न ॥ न य यू का थ य ॥ न व व नि थ य नि स मा धि ॥
क ल स य म द अ यू जा ॥ थ न सि र्व य नि र स्य स्य ह य स्व स नि स

गु न म गु न द न क म न य म वा च क म वा यू न वि स र्ज न य च क म वा
वि य नि र्वा ण न थ य व क न वा च म वा य म क र्द म वा य ॥ ॥ थ न गु न
या च न न स अ य या य ॥ स र्व स न ॥ वा ह स र्वा सा द न स्य ह य क वा क
उं ह्रीं य व न स स्का ना य ॥ म क गु न व न क म वा य अ य य नि रु स्वा हा ॥
थ न गु न या या नि स र्द ४ य य न व न हा स्य स्वा न वि य ॥ वा क ऊ ऊ मा

नमोऽथ यदगि अद्याऽस्मिन् वारि त्रास्मिन् सिद्धि रत्न नु सा निश्च क न ॥
धनसिद्धयनिधजिकथनरस्यमलेमधुलवायकः नलेमधुलमय २
अपहात्रय जादकिनाय यधन हातामुत्रयात नलेमधुलवाहत्रय
वदुत्रलेयादिः धनसिद्धयाथकात्रिमधुनधिप्रकस्वानरन धनसि
द्धयनिधिकास्यहाथकोत्रयं धान ॥ अथ स्वनावावाधिवश नवका

अथ स्वनावावधानां महिकमुजगलीद्यायवजिनिगुधकत्राय
थादरुसुथाददधुन स्वाहा ॥ हनाथवर्धयनि सु अरिखकवि
नअर्थजियनि सुवि स रुन्यगुनाकत्रुथागर्गं ससात्रउथात्र
सागः थयना अरिखकवि अ अर्थजियनि सुवि स विष्का रु
ने ॥ ॥ धनमागान कलसः मालसद्विकर्त ॥ रावना ॥

सुधागताऽयुक्ता समायुक्ताः साहज्यारग्यमद्विहस्ववेष्टावदाः
 दात्रेष्टानिचस्यवेष्टासत्वेष्टानिगत्यनमद्वद्विचस्यमूत्रे
 नयवसिगतिश्चमगितिसन्यगाननननंरुंवेष्टातद्विहृज
 ४सपक्ष्माक्षायस्वरावकसम्यग्गूर्यक्षानसत्वातिस्विष्टः यन
 उज्जमस्वादिमूलिहिऽस्वप्नान्निष्टल्यगगमायूरीहृगंलाद

子

नादिविवासादिर्नैव न च ऊरुताका मुवंदिनगीनननैयथ
ककमादिवृष्टिर्हि ४ कचकिंनयावऊरुताविचित्रलामनयेर्ह
भिनकन (३) सुमिथयप्रान्नितयमहिस्विद्यमानयागिंठीनिय
मानेमगनगिर्नैव ॥ धननिश्चननिर्मानाहागिनरुसमि
स्वानयिसंसाधाध्व ॥ यत्सगलसकनसहृददिष्टिर्नस्यस

वीमकस्य वप्रधर्मक वाधियवनिशयवजनकस्य मरुसखस्य
 गत्सगत्ररुवगुत्यदवेवातिथ्यक ४॥ सधर्मरुका ४॥ सगमवायः
 सद्यानदवासप्रदक्षिनिनिय ४॥ यथीनिवाभयवत्रागताज्जगत्स
 गत्ररुवगुधार्निककववाय ॥ ॥ **थनमागानयप्ररुंजन** ॥
मात्रसगय ॥ ॥ **रावधामा** नगुवऊरुंकावाधिविहिरुं वऊरुंजाग

ॐ

ॐ

२ वियः
 क्षात्यस्वरुदिऊनस्यानागस्तनसग्वत्रकीरुदस्यसयुक् ॥
~~मागानयागसवाहगुथः सवअजातमनसपात्रकात्रस्यसिखननि~~
~~पात्राहागिनमिनायिस्यत्वनमकुथ ॥~~ ॥ ॐ माहासखवऊस
 लोश्चिव्यक सत्वामहिर्षिवाभिः सर्वेनथागगावियमित्वेन
 इन्द्राव ॥ ॥ ~~थनगुननअगत्रसिहथनाअःनखेन~~

॥ अतिथ्यमहावज्रं नमस्कृत्य दद्यात्
सर्वविघ्नान्निगुण्यो नमस्कृत्य ॐ ह्रीं शिवाय नमः ॥
ह्रीं स नमस्तुभ्यम् ॥ ॥ ह्रीं शिवाय नमः ॥
स्वर्गमध्यायान्नमस्कृत्य नमः ॥ ॥ ह्रीं शिवाय नमः ॥
स्वर्गमध्यायान्नमस्कृत्य नमः ॥ ॥ ह्रीं शिवाय नमः ॥

तथा गमया गजतिष्ठ कविनः अथं जिमिगज द्वाया यया सु
 विस्य विष्कारु न ॥ ॥ पञ्चमहाभयता नौयं तु तच्छक्ति उद
 कारित्वकः अष्टम ॥ ॥ वाविव ऊनवधनां ऊथादने
 महामह ॥ दनाथद मुन वाविव ऊनवधया नगथ विल
 ममायिगानेनाथयस्व वेजाददाहि मे ॥ ॥ जियनि

कौयाचकं या गः यवज्ज आदियं विनज्ज थं डिमि न विस्प विः
काहने डि य नि सु म क टा रि ष क वि डी ॥ रा व ना ॥ नि ष आ न
क स र्प च त्र यि न स्त न स त्वा ने । की रु स्त न ४ स्त न था ग न द वि रि ४
क रं न रि वि ष मा न त्र य त्र जा दि नि त्र य नि य मा नं म क्क ल गि नी कं रा व त्
व जा धि य ना म न ष य व न ४ क न क व सु दि द्य नि गं न ले स म्भ वे त्

ऊं ग ल स म्भ न स्त न स त्च त्र यं प च्च न था ग नं म ध्व स्ति न सि ष च क व
रि ने म ध्व ला म क ट न स्य सि त्र सो म ध्व च त्र नं या ष्व द्द द य म् दि
प ष्य च य था क म्भ ॥ ॥ थ न म क ट न या य क ॥ ॐ दं न स र्व व क्ष नं
ने धा उ न म स्त न ॥ ॥ थ म क ट रु यि डी ग थी डः स म्भ न था ग न नं
नि रु व नं स र्ग म ध्व या ग न नं न म स्का न या द ग य ॥ ॥ य ष्मा कं य ऊ न

अथ मकटपत्रकलाहव॥ हसिष्यपनियजायावकंयारुः **थ मकट**
पयासागनः यककनमजागइलः हिलकंमकट॥ ॥ ॐ वज्र
तं भवनिअतिविष्कं ॥ ॐ सत्वेवज्जतिविष्कं ॥ ॐ तत्वेवज्जति
तिविष्कं ॥ ॐ धर्मवज्जतिविष्कं ॥ ॐ कर्मवज्जतिविष्कं
॥ ॐ सर्ववृद्धवृणमनिमहालानमकटप्रतिरुखाहा॥

संभवजननहाय॥ ॐ आ० वज्रमकटतिविष्कं आसनस्थिमह॥
ॐ वज्रध्वं दुःखहा॥ सर्वलावासमारुत्वीनकोरोडाः कनस्त्रीन॥
अमकटगार्थिगुणानमासमसुतासमवाहयुगुनिरुतास
अद्वयसंवाह॥ ॥ अद्वयलानसंरुर्गं नोदुतामवे ॥
वर्ग॥ ॥ अद्वयलाननउत्यरुताः चतवर्कमअतिनासंम

२
 स्व॥ **ॐ** निमक नातिथि क॥ **अथ स्वना** ॥ वाधिवजनवधाजं ऊध
 द नमहोमहनाथ हं गुन ॥ वाधिवजनः वधयनि सुगथ विन
 अथं वजातिथि क विन ॥ ॥ ममायिना ननाथ यः स्ववजाथ
 ददाहिमहनाथ हं गुन ॥ जियनि नदायाचक यः स्ववजा वि
 याथं जियनि सु विरुन्यः हं गुन हनाथ जियनि सु खाना विरु

विष्ठाह न ॥ ॥ **अथ स्वना** ॥ नन सु थय थि नि वंः न जिष अनि
 दी की का न ऊख यय नि नम अ मि ना रु ख नू यं हान म त्वा रि थ क रु
 त्वा वजा यामि ना रु त्वा वि चि र्थ ॥ अ रि थ व कं म ॥ सी व ऊ नं थ रु कं
 नम क नं ह नाथ हं गुन ॥ ॥ थ व जा रु ॥ थ व क नं अ ध द स्य र्ग
 मध्व या ना न वं नम रु क न या हं न या गु नि ॥ ॥ अ या रि थि क

१०

मसिबुद्धवजातिषक ध्वज सिद्धकविर्नः रुपनिनथगगन
 राधधिगुवजातिषक ॥ ॐ नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
 धवजउआसमनवद्वयातुआरुयकायानः रुपनिनसिद्धसिद्धि १०
 शान ॥ **॥ सिययानगसथियकाआविय ॥ संव नषनहाय ॥**
 उवजातिषिवसननचमहसर्वसहाननकवधुष्टाकावकनमं

रत्ना ॥ ॥ हनाथसमन सियद्धनावनधथी गुवजातिषक
 नआकावक उत्पत्तिरुआ ॥ महाकनयदप्रापनसहाननचल
 नसी ॥ हनाथनअवदुश्रुद्धनयदमागामजिआसियउनिधधि
 दधकथाहामदुधधिगुवजातिषक ॥ ॥ ज (धवधवाधि
 वज्र धवधानाजधदकमहामह ॥ हनाथह गुन वाधिवजन

३ ना
 वृद्ध्या गगथा विनयधो अतिथ्य क ममायिना नना थाया ख
 वजाददाहिम्य ॥ जियनि सुप्रकायाय याग खवज आ दिन वि
 याथं जियनि सुप्रकायाय अतिथ्य क ख विनय विनय न्ययाथ मया ॥ १
 ॥ रावनाः सिधोर्वका नर ४ ख मत्य न अभाय सिधिविराय ४
 हानसत्त्व विमय ध्वन अभाय सिधिविराय ॥ ~~मंवनवन~~

~~दाय~~ ॥ ॥ अतिथ्य क महावज गुधु क नमस्तु ३ वजाधि
 पतिमति विनय मिनि वज समय सत्त्वदावज य धु अ अ ॥ गृ
 हिना सिमया सनिहिना व ॥ दधे विया ॥ न खनदाय ॥ ३ वज
 य धु अतिथ्य क स न गत्व हं मे ॥ अनयत्ने य धं म्मिष मस्का नहि न
 य वज उत्त नि ॥ व म्मिष या गु व ह म इ ॥ निव द्दिन च व द्दि नान स

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अतिथि कथा धन आदि दृष्टे विषय ॥ यत्न
 माना उद्यका मकट अवज दृष्टे यत्न अतिथि का यत्न ॥ ॥ द
 मिष रूय निरुक्त अतिथि कथा नातिथि कथा मकट नातिथि कथा वज
 दृष्टे अतिथि कथा अतिथि कथा यत्न निरुक्त नातिथि ॥ अतिथि कथा
 नातिथि कथा मिस्य नवल नयि अतिथि अतिथि कथा ॥ ॥ क्रिया यत्न

कृयागुणवमयाइत्यान्मन्त्रसाधवविहृतावति॥ ॥ क्रिया
 यायः प्रयायायः मन्त्रयायः इत्येकान्तः मन्त्रसाधनपथानिहृमि
 नः अद्विकाग्रहनाथकाडागुननसिखयागकनं॥ ॥ मन्त्र ॥ ३
 आगकायः॥ दक्षासिमयारुगवनः अस्मिन्सनिहितारुवः॥ सिध
 नक्षयकः॥ गुणासिमयारुगन्मनिमनिहितारुवः॥ सिधमन्त्र

[illegible]

विंशजन सद्यं नगय विनय जाह्नव समचय कायः सा त्रिभुवने
 समयाचक्र गजचक्र ॐ नि ॥ ॥ ॐ नि यश्च त्रिभुवने कय जा विधि ॥ ॐ
 १४ समाय ॥ ॥ नया लसन् नूनता नता प्रकथं ॐ न तु क न स सिद्ध
 संपूर्ण विद्याधन संस्तु के यष्टु क मिदं शं लभु र्ग ॥ ० ॥ ॐ ॐ ॐ ॥
 यष्टु के निशान न सय वृद्धि न सु ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ ॥